श्रीः

श्रीमते निगमान्त महादेशिकाय नमः

श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

तिरुमङ्गैयाळ्वार् अरुळिच्चॅय्द

॥ पॆरिय तिरुमडल् ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

*This was typeset using skt, LaTeX, Itrans, **skt** and the **xdvng** font.

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ पॆरिय तिरुमडल् ॥

पिळ्ळै त्तिरुनरैयूर् अरैयर् अरुळिच्चॆय्ददु

पॊन्नुलगिल् वानवरुम् पूमगळुम् पोऱ्‌ऱुम्⋆
    नन्नुदलीर्! नम्बि नऱैयूरर्⋆ - मन्नुलगिल्
ऎन्निलैमै कण्डुम् इरङ्गारे यामागिल्⋆
    मन्नु मडलूर्वन् वन्दु

‡मन्निय पल् पॊऱि शेर् आयिर वाय् वाळ् अरविन्⋆
शॆन्नि मणि क्कुडुमि तॆय्व च्चुडर् नडुवुळ्⋆ ॥१॥
मन्निय नागत्तणैमेल् ओर् मामलै पोल्⋆
मिन्नुम् मणि मगर कुण्डलङ्गळ् विल् वीश⋆ ॥२॥
तुन्निय तारगैयिन् पेर् ऒळि शेर् आगाशम्⋆
ऎन्नुम् विदानत्तिन् कीऴाल्⊕ इरु शुडरै॥३॥
मिन्नुम् विळक्काग एऱ्‌ऱि⋆ मऱि कडलुम्
पन्नु तिरै क्कवरि वीश⋆ निलमङ्गै॥४॥
तन्नै मुन नाळ् अळविट्ट तामरै पोल्⋆
मन्निय शेवडियै वान् इयङ्गु तारगै मीन्⋆ ॥५॥
ऎन्नुम् मलर् प्पिणैयल् एय्न्द⊕ मऴै क्कून्दल्
तॆन्नन् उयर् पॊरुप्पुम् दॆय्व वडमलैयुम्⋆ ॥६॥

Attention: New letters have been introduced to facilitate reading Tamil texts in devanaagarii. Distinction has been made between certain short and long consonants that do not exist in devanaagarii. For e.g., नॆ and ने should be treated with the same distinction as that exists between नि and नी. The letters ऎ and ए, and ऒ and ओ, should be treated with the same distinction. The letter ऴ denotes the *za* in Tamil. For e.g., *aazvaar* would be written as आऴ्वार् in devanaagarii.

एन्नुम् इवैये मुलैया वडिवमैन्द⋆
अन्न नडैय अणङ्गु⊕ अडियिणैयैत्॥ ७॥
तन्नुडैय अङ्गैगळाल् तान् तडव त्तान् किडन्दु⋆ ओर्
उन्निय योगत्तुऱक्कम् तलैक्कॊण्ड॥ ८॥
पिन्नै⋆ तन् नाबि वलयत्तु प्पेर् ऒळि शेर्⋆
मन्निय तामरै मामलर् पूत्तु⋆ अम्मलर्मेल्॥ ९॥
मुन्नम् तिशैमुगनै त्तान् पडैक्क⋆ मट्रवनुम्
मुन्नम् पडैत्तनन् नान्मऱैगळ्⋆ अम्मऱै तान्॥ १०॥
मन्नुम् अऱम् पॊरुळ् इन्बम् वीडॆन्ऱुलगिल्⋆
नन्नॆऱि मेम्बट्टन नान्गन्ऱे⊕ नान्गिनिलुम्॥ ११॥
पिन्नैयदु पिन्नै प्पॆयर् तरुम् एन्बदु⋆ ओर्
तॊन्नॆऱियै वेण्डुवार् वीळ् कनियुम् ऊऴिलैयुम्⋆ ॥ १२॥
एन्नुम् इवैये नुगर्न्दुडलम् ताम् वरुन्दि⋆
तुन्नुम् इलै क्कुरम्बै त्तुञ्जियुम्⊕ वॆञ्जुडरोन्॥ १३॥
मन्नुम् अळल् नुगर्न्दुम् वण् तडत्तिनुळ् किडन्दुम्⋆
इन्नदोर् तन्मैयराय् ईङ्गुडलम् विट्टॆळुन्दु⋆ ॥ १४॥
तॊन्नॆऱिक्कण् शॆन्ऱार् एनप्पडुम् शॊल् अल्लाल्⋆
इन्नदोर् कालत्तिनै यार् इदु पॆट्रार्⋆ ॥ १५॥
एन्नवुम् केट्टऱिवदिल्लै⊕ उळदॆन्निल्
मन्नुम् कडुङ्गदिरोन् मण्डलत्तिन् नन्नडुवुळ्⋆ ॥ १६॥
अन्नदोर् इल्लियिन् ऊडु पोय्⊕ वीडॆन्नुम्
तॊन्नॆऱिक्कण् शॆन्ऱारै च्चॊल्लुमिन्गाळ् शॊल्लादे⋆ ॥ १७॥
अन्नदे पेशुम् अऱिविल् शिऱुमनत्तु⋆ आं-
गन्नवरै क्कर्पिप्पोम् यामे⋆ अदुनिर्क॥ १८॥
मुन्नम् नान् शॊन्न अऱत्तिन् वऴि मुयन्ऱ⋆
अन्नवर् ताम् कण्डीर्गळ् आयिर क्कण् वानवर् कोन्⋆ ॥ १९॥
पॊन्नगरम् पुक्कमरर् पोट्रिशैप्प⋆ पॊङ्गॊळि शेर्
कॊन्नविलुम् कोळ् अरिमा त्तान् शुमन्द कोलम् शेर्⋆ ॥ २०॥

मन्निय शिङ्गाशनत्तिन् मेल्⊕ वाणॆडुङ्गण्
कन्नियराल् इट्ट कवरि प्पॊदि अविऴ्न्दु⋆ आङ्–॥२१॥
गिन्निळम् पूर्न्दॆन्ऱल् इयङ्ग मरुङ्गिरुन्द⋆
मिन्ननैय नुण् मरुङ्गुल् मॆल्लियलार् वॆण्मुऱुवल्⋆ ॥२२॥
मुन्नम् मुगिऴ्त्त मुगिऴ् निला वन्दरुम्ब⋆
अन्नवर् तम् मानोक्कम् उण्डाङ्गणिमलर् शेर्⋆ ॥२३॥
पॊन्नियल् कर्पगत्तिन् काडुडुत्त माडॆल्लाम्⋆
मन्निय मन्दारम् पूत्त मदुत्तिवलै⋆ ॥२४॥
इन्निशै वण्डमरुम् शोलैवाय् मालै शेर्⋆
मन्निय मामयिल् पोल् कून्दल्⊕ मऴैत्तडङ्गण्॥२५॥
मिन्निडै यारोडुम् विळैयाडि वॆण्डिडत्तु⋆
मन्नुम् मणि त्तलत्तु माणिक्क मञ्जरियिन्⋆ ॥२६॥
मिन्निन् ऑळि शेर् पळिङ्गु विळिम्बडुत्त⋆
मन्नुम् पवळ क्काल् शॆम् पॊन् शॆय् मण्डपत्तुळ्⋆ ॥२७॥
अन्न नडैय अरम्बयर् तम् कैवळर्त्त⋆
इन्निशैयाऴ् पाडल् केट्टिन्बुट्ठ⊕ इरुविशुम्बिल्॥२८॥
मन्नुम् मऴै तवऴुम् वाणिला नीण्मदि तोय्⋆
मिन्निन् ऑळि शेर् विशुम्बूरुम् माळिगैमेल्⋆ ॥२९॥
मन्नुम् मणि विळक्कै माट्टि⊕ मऴै क्कण्णार्
पन्नु विशित्तिरमा प्पाप्पडुत्त पळ्ळिमेल्⋆ ॥३०॥
तुन्निय शालेगम् शूऴ् कदवम् ताळ् तिऱप्प⋆
अन्नम् उऴक्क नॆरिन्दुक्क वाळ् नीलच्⋆ ॥३१॥
चिन्न नऱुन्दादु शूडि⊕ ओर् मन्दारम्
तुन्नुम् नऱुमलराल् तोळ् कॊट्टि⋆ कर्पगत्तिन्॥३२॥
मन्नु मलर्वाय् मणि वण्डु पिन् तॊडर⋆
इन्निळम् पूर्न्दॆन्ऱल् पुगुन्दु ईङ्गिळ मुलैमेल्⋆ ॥३३॥
नन्नऱुम् शन्दन च्चेऱलर्त्त⊕ ताङ्गरुञ्जीर्
मिन्निडैमेल् कैवैत्तिरुन्देन्दिळ मुलैमेल्⋆ ॥३४॥

पॊन्नरुम्बारम् पुलम्ब⊕ अगङ्गुळैन्दां–
गिन्न उरुविन् इमैया त्तडङ्गण्णार्⋆ ॥ ३५ ॥
अन्नवर् तम् मानोक्कम् उण्डाङ्गणि मुऱुवल्⋆
इन्नमुदम् मान्दि इरुप्पर्⊕ इदुवन्ऱे॥ ३६ ॥
अन्न अऱत्तिन् पयन् आवदु⋆ ऒण् पॊरुळुम्
अन्न तिऱत्तदे आदलाल्⋆ कामत्तिन्॥ ३७ ॥
मन्नुम् वळिमुऱैये निऱ्कुम् नाम् मानोक्किन्⋆
अन्न नडैयार् अलरेश आडवर्मेल्⋆ ॥ ३८ ॥
मन्नुम् मडल् ऊरार् एन्बदोर् वाशगमुम्⋆
तॆन्नुरैयिल् केट्टऱिवदुण्डु⊕ अदनै याम् तॆळियोम्॥ ३९ ॥
मन्नुम् वड नॆऱिये वेण्डिनोम्⋆ वेण्डादार्
तॆन्नन् पॊदियिल् शॆळुञ्जन्दन क्कुळम्बिन्⋆ ॥ ४० ॥
अन्नदोर् तन्मै अऱियादार्⋆ आयन् वेय्
इन्निशै ओशैक्किरङ्गादार्⋆ माल् विडैयिन्॥ ४१ ॥
मन्नुम् मणि पुलम्ब वाडादार्⋆ पॆण्णैमेल्
पिन्नुम् अव्वन्ऱिल् पॆडै वाय् च्चिऱु कुरलुक्कु⋆ ॥ ४२ ॥
उन्नि उडलुरुगि नैयादार्⊕ उम्बर्वाय्
त्तुन्नु मदियुगुत्त तू निला नीळ् नॆरुप्पिल्⋆ ॥ ४३ ॥
तम्मुडलम् वेव त्तळरादार्⊕ कामवेळ्
मन्नुम् शिलैवाय् मलर् वाळि कोत्तॆय्य⋆ ॥ ४४ ॥
पॊन्नॆडु वीदि पुगादार्⊕ तम् पूवणैमेल्
शिन्न मलर् क्कुळलुम् अल्गुलुम् मॆन् मुलैयुम्⋆ ॥ ४५ ॥
इन्निळ वाडै तडवत्ताम् कण्डुयिलुम्⋆
पॊन्नैयार् पिन्नुम् तिरुवुऱग⋆ पोर् वेन्दन्॥ ४६ ॥
तन्नुडैय तादै पणियाल् अरशॊळिन्दु⋆
पॊन्नगरम् पिन्ने पुलम्ब वलङ्गॊण्डु⋆ ॥ ४७ ॥
मन्नुम् वळनाडु कैविट्टु⋆ मादिरङ्गळ्
मिन्नुरुविल् विण् तेर् तिरिन्दु वॆळिप्पट्टु⋆ ॥ ४८ ॥

कन्निऱैन्दु तीयन्दु कळैयुडैन्दु काल् शुऴन्ऱु⋆
पिन्नुम् तिरै वयिट्रु प्पेये तिरिन्दुलवा⋆ ॥ ४९ ॥
कॊन्नविलुम् वॆङ्ङानत्तूडु⋆ कॊडुङ्ङदिरोन्
तुन्नु वॆयिल् वऱुत्त वॆम्बरमेल् पञ्जडियाल्⋆ ॥ ५० ॥
मन्नन् इरामन् पिन् वैदेहि ऎन्ऱुरैक्कुम्⋆
अन्न नडैय अणङ्गु नडन्दिलळे⋆ ॥ ५१ ॥
पिन्नुम् करु नॆडुङ्ङण् शॆव्वाय् प्पिणै नोक्किन्⋆
मिन्ननैय नुण् मरुङ्गुल् वेगवति ऎन्ऱुरैक्कुम् ॥ ५२ ॥
कन्नि⋆ तन् इन्नुयिराम् कादलनै क्काणादु⋆
तन्नुडैय मुन् तोन्ऱल् कॊण्डेग त्तान् शॆन्ऱु⋆ अङ्– ॥ ५३ ॥
गन्नवनै नोक्कादऴित्तुरप्पि⋆ वाळमरुळ्
कन्नविल् तोळ् काळैयै क्कैप्पिडित्तु मीण्डुम् पोय्⋆ ॥ ५४ ॥
पॊन्नविलुम् आगम् पुणर्न्दिलळे⊕ पूङ्ङैङ्
मुन्नम् पुनल् परक्कुम् नन्नाडन् मिन्नाडुम्⋆ ॥ ५५ ॥
कॊन्नविलुम् नीळ् वेल् गुरुक्कळ् कुल मदलै⋆
तन्निगर् ऒन्ऱिल्लाद वॆन्ऱि त्तनञ्जयनै⋆ ॥ ५६ ॥
पन्नागरायन् मड प्पावै⊕ पावै तन्
मन्निय नाण् अच्चम् मडम् ऎन्ऱिवै अगल⋆ ॥ ५७ ॥
तन्नुडैय कॊङ्ङै मुगम् नॆरिय⋆ तान् अवन् तन्
पॊन्वरै आगम् तऴी इक्कॊण्डु पोय्⋆ तनदु ॥ ५८ ॥
नन्नगरम् पुक्कु नयन्दिनिदु वाऴ्न्ददुवुम्⋆
मुन्नुरैयिल् केट्टऱिवदिल्लैये⊕ शूळ् कडलुळ् ॥ ५९ ॥
पॊन्नगरम् शॆट्ऱ् पुरन्दरनोडॆरॊक्कुम्⋆
मन्नवन् वाणन् अवुणर्क्कु वाळ् वेन्दन्⋆ ॥ ६० ॥
तन्नुडैय पावै उलगत्तु तन्नॊक्कुम्⋆
कन्नियरै इल्लाद काट्चियाळ्⊕ तन्नुडैय ॥ ६१ ॥
इन्नुयिर् त्तोऴियाल् ऎम्बॆरुमान् ईन् तुळाय्⋆
मन्नुम् मणि वरैत्तोळ् मायवन्⋆ पावियेन् ॥ ६२ ॥

ऎन्नै इदुविळैत्त ईर् इरण्डु माल् वरैत्तोळ्⋆
मन्नवन् तन् कादलनै मायत्ताल् कॊण्डु पोय्⋆ ॥ ६३ ॥
कन्नि तन्बाल् वैक्क मऱ्‌ऱवनोडॆत्तनैयो⋆
मन्निय पेरिन्बम् ऎय्दिनाळ्⊕ मऱ्‌ऱिवै तान्॥ ६४ ॥
ऎन्नाले केट्टीरे एळैगाळ् एन्नुरैक्केन्⋆
मन्नुम् मलैयरयन् पॊर्पावै⊕ वाणिला॥ ६५ ॥
मिन्नुम् मणि मुऱुवल् शॆव्वाय् उमैयॆन्नुम्⋆
अन्ननडैय अणङ्गु नुडङ्गिडै शेर्⋆ ॥ ६६ ॥
पॊन्नुडम्बु वाड प्पुलनैन्दुम् नॊन्दगल⋆
तन्नुडैय कूळै च्चडाबारम् तान् दरित्तु⋆ आङ्– ॥ ६७ ॥
गन्न अरुन्दवत्तिन् ऊडुपोय्⋆ आयिरन्दोळ्
मन्नु करदलङ्गळ् मट्टित्तु⋆ मादिरङ्गळ्॥ ६८ ॥
मिन्नि ऎरि वीश मेल् ऎडुत्त शूळ् कळर्काल्⋆
पॊन्नुलगम् एळुम् कडन्दुम्बर् मेल् शिलुम्ब⋆ ॥ ६९ ॥
मन्नु कुल वरैयुम् मारुदमुम् तारगैयुम्⋆
तन्निन् उडने शुळल च्चुळन्ऱाडुम्⋆ ॥ ७० ॥
कॊन्नविलुम् मूविलैवेल् कूत्तन् पॊडियाडि⋆
अन्नवन् तन् पॊन्नगलम् शॆन्ऱाङ्गणैन्दिलळे⋆ ॥ ७१ ॥
पन्नि उरैक्कुङ्गाल् बारदमाम्⊕ पावियेर्कु
ऎन्नुरु नोय् यान् उरैप्प क्केण्मिन्⋆ इरुम् पॊळिल् शूळ्॥ ७२ ॥
मन्नु मऱैयोर् तिरुनऱैयूर् मामलै पोल्⋆
पॊन्नियलुम् माड क्कवाडम् कडन्दु पुक्कु⋆ ॥ ७३ ॥
ऎन्नुडैय कण्गळिप्प नोक्किनेन्⊕ नोक्कुदलुम्
मन्नन् तिरुमार्बुम् वायुम् अडियिणैयुम्⋆ ॥ ७४ ॥
पन्नु करदलमुम् कण्गळुम्⋆ पङ्गयत्तिन्
पॊन्नियल् काडोर् मणिवरैमेल् पूत्तदुपोल्⋆ ॥ ७५ ॥
मिन्नि ऒळि पडैप्प वीळ् नाणुम् तोळ् वळैयुम्⋆
मन्निय कुण्डलमुम् आरमुम् नीण्मुडियुम्⋆ ॥ ७६ ॥

तुन्नु वॆयिल् विरित्त शूळामणि इमैप्प⋆
मन्नुम् मरदग क्कुन्ऱिन् मरुङ्गे⊕ ओर्॥७७॥
इन्निळ वञ्जिक्कॊडि ऒन्ऱु निन्ऱदुदान्⋆
अन्नमाय् मानाय् अणिमयिलाय् आङ्गिडैये⋆॥७८॥
मिन्नाय् इळवेय् इरण्डाय् इणै च्चॆप्पाय्⋆
मुन्नाय तॊण्डैयाय् क्कॆण्डै क्कुलम् इरण्डाय्⋆॥७९॥
अन्न तिरुवुरुवम् निन्ऱदऱियादे⋆
ऎन्नुडैय नॆञ्जुम् अऱिवुम् इन वळैयुम्⋆॥८०॥
पॊन्नियलुम् मेगलैयुम् आङ्गॊळिय प्पोन्देर्कु⋆
मन्नुम् मऱि कडलुम् आर्क्कुम्⊕ मदियुगुत्त॥८१॥
इन्निलाविन् कदिरुम् ऎन्दनक्के वॆय्दागुम्⋆
तन्नुडैय तन्मै तविर त्तान् ऎन्गॊलो⋆ ॥८२॥
तॆन्नन् पॊदियिल् शॆळुञ्जन्दिन् तादळैन्दु⋆
मन्निव्वुलगै मनङ्गॊळिप्प वन्दियङ्गुम्⋆॥८३॥
इन्निळम् पून्दॆन्ऱलुम् वीशुम् ऎरियॆनक्के⋆
मुन्निय पॆण्णैमेल् मुळ्मुळरि क्कूट्टगत्तु⋆॥८४॥
पिन्नुम् अव्वन्ऱिल् पॆडै वाय् च्चिऱु कुरलुम्⋆
ऎन्नुडैय नॆञ्जुक्कोर् ईर् वाळाम् ऎन् शॆय्केन्⋆॥८५॥
कन्नविल् तोळ् कामन् करुप्पु च्चिलै वळैय⋆
कॊन्नविलुम् पूङ्गणैकळ् कोत्तु प्पॊदवणैन्दु⋆॥८६॥
तन्नुडैय तोळ् कळिय वाङ्गि⊕ तमियेन्मेल्
ऎन्नुडैय नॆञ्जे इलक्काग ऎय्गिन्ऱान्⋆॥८७॥
पिन्निदनै क्काप्पीर् ताम् इल्लैये⊕ पेदैयेन्
कन्नविलुम् काट्टगत्तोर् वल्लि क्कडिमलरिन्⋆॥८८॥
नन्नऱु वाशम् मट्रारानुम् ऎय्दामे⋆
मन्नुम् वऱुनिलत्तु वाळाङ्गुगुत्तदु पोल्⋆॥८९॥
ऎन्नुडैय पॆण्मैयुम् ऎन् नलनुम् ऎन् मुलैयुम्⋆
मन्नु मलर्मङ्गै मैन्दन्⊕ कणपुरत्तुप्॥९०॥

पॊन्मलै पोल् निन्ऱवन् तन् पॊन्नगलम् तोयावेल्⋆
ऎन्निवै तान् वाळा ऎनक्के पॊऱैयागि⋆ ॥९१॥
मुन्निरुन्दु मूक्किन्ऱु मूवामै क्काप्पदोर्⋆
मन्नुम् मरुन्दऱिवीर् इल्लैये⊕ माल्विडैयिन्॥९२॥
तुन्नु पिडर्ॆरुत्तु त्तूक्कुण्डु वन् तॊडराल्⋆
कन्नियर् कण्मिळिर क्कट्टुण्डु⋆ मालैवाय्॥९३॥
तन्नुडैय नार्वोळियादाडुम् तनि मणियिन्⋆
इन्निशै ओशैयुम् वन्दॆन् शॆवि तनक्के⋆ ॥९४॥
कॊन्नविलुम् ऎग्किल् कॊडिदाय् नॊडिदागुम्⋆
ऎन्निदनै क्काक्कुमा शॊल्लीर्⊕ इदुविळैत्त॥९५॥
मन्नन् नऱुन्दुळाय् वाऴ् मार्बन्⋆ मामदिगोऴ्
मुन्नम् विडुत्त मुगिल् वण्णन्⋆ कायाविन्॥९६॥
शिन्न नऱुम् पून्दिगऴ् वण्णन्⋆ वण्णम् पोल्
अन्न कडलै मलैयिट्टणैकट्टि⋆ ॥९७॥
मन्नन् इरावणनै मामण्डु वॆञ्जमत्तु⋆
पॊन् मुडिकळ् पत्तुम् पुरळ च्चरन्दुरन्दु⋆ ॥९८॥
तॆन्नुलगम् एट्ढ्वित्त शेवगनै⊕ आयिरक्कण्
मन्नवन् वानमुम् वानवर् तम् पॊन्नुलगुम्⋆ ॥९९॥
तन्नुडैय तोळ् वलियाल् कैक्कॊण्ड दानवनै⋆
पिन्नोर् अरियुरुवमागि ऎरिविऴित्तु⋆ ॥१००॥
कॊन्नविलुम् वॆञ्जमत्तु क्कॊल्लादे⋆ वल्लाळन्
मन्नुम् मणिक्कुञ्जि पढ्ऱि वर वीर्त्तु⋆ ॥१०१॥
तन्नुडैय ताळ्मेल् किडात्ति⋆ अवनुडैय
पॊन्नगलम् वळ्ळुगिराल् पोऴ्न्दु पुगऴ् पडैत्त⋆ ॥१०२॥
मिन्नलङ्गुम् आऴि प्पडै त्तडक्कै वीरनै⋆
मन्निव्वगलिडत्तै मामुदु नीर् तान् विऴुङ्ग⋆ ॥१०३॥
पिन्नुमोर् एनमाय् पुक्कु वळै मरुप्पिल्⋆
कॊन्नविलुम् कूर्नुदिमेल् वैत्तॆडुत्त कूत्तनै⋆ ॥१०४॥

मन्नुम् वड मलैयै मत्ताग माशुणत्ताल्⋆
मिन्नुम् इरुशुडरुम् विण्णुम् पिऱङ्गॊळियुम्⋆ ॥१०५॥
तन्निन् उडने शुऴल मलै तिरित्तु⋆ आङ्गु
इन्नमुदम् वानवरै ऊट्टि⋆ अवरुडैय ॥१०६॥
मन्नुम् तुयर् कडिन्द वळ्ळलै⋆ मऱ्ऱन्ऱियुम्
तन्नुरुवम् आरुम् अऱियामल् तान् अङ्गोर्⋆ ॥१०७॥
मन्नुम् कुऱळ् उरुविल् माणियाय्⊕ मावलि तन्
पॊन्नियलुम् वेळ्विक्कण् पुक्किरुन्दु⋆ पोर्वेन्दर् ॥१०८॥
मन्नै मनङ्गॊळ्ळ वञ्जित्तु नॆञ्जुरुक्कि⋆
ऎन्नुडैय पादत्ताल् यान् अळप्प मूवडि मण्⋆ ॥१०९॥
मन्ना! तरुगॆन्ऱु वाय् तिऱप्प⋆ मऱ्ऱवनुम्
ऎन्नाल् तरप्पट्टदॆन्ऱलुमे⋆ अत्तुणैक्कण् ॥११०॥
मिन्नार् मणिमुडि पोय् विण् तडव⋆ मेलॆडुत्त
पॊन्नार् कनै कऴर्काल् एऴुलगुम् पोय्क्कडन्दु⋆ अङ्– ॥१११॥
गॊन्ना अशुरर् तुळङ्ग च्चॆल नीट्टि⋆
मन्निव्वगलिडत्तै मावलियै वञ्जित्तु⋆ ॥११२॥
तन्नुलगम् आक्कुवित्त ताळानै⊕ तामरैमेल्
मिन्निडैयाळ् नायगनै विण्णगरुळ् पॊन् मलैयै⋆ ॥११३॥
पॊन्नि मणि कॊऴिक्कुम् पूङ्गुडन्दै प्पोर् विडैयै⋆
तॆन्नन् कुऱुङ्गुडियुळ् शॆम् पवळ क्कुन्ऱिनै⋆ ॥११४॥
मन्निय तण् शेऱै वळ्ळलै⋆ मामलर्मेल्
अन्नम् तुयिलुम् अणि नीर् वयलालि⋆ ॥११५॥
‡ऎन्नुडैय इन्नमुदै एव्वुळ् पॆरु मलैयै⋆
कन्नि मदिळ् शूऴ् कणमङ्ग क्कर्पगत्तै⋆ ॥११६॥
मिन्नै इरुशुडरै वॆळ्ळऱैयुळ् कल्लऱैमेल्
पॊन्नै⋆ मरदगत्तै प्पुट्कुऴि एम् पोरेऱ्ऱै⋆ ॥११७॥
‡मन्नुम् अरङ्गत्तॆम् मामणियै⊕ वल्लवाऴ्
पिन्नै मणाळनै प्पेरिल् पिऱप्पिलियै⋆ ॥११८॥

तॊन्नीर् क्कडल् किडन्द तोळा मणि च्चुडरै⋆
ए्न्मनत्तु मालै इडवॆन्दै ईशनै⋆ ॥११९॥
मन्नुम् कडन्मल्लै मायवनै⊕ वानवर् तम्
शॆन्नि मणि च्चुडरै त्तण्गाल् तिरल् वलियै⋆ ॥१२०॥
तन्नै प्पिररियिा त्तत्तुवत्तै मुत्तिनै⋆
अन्नत्तै मीनै अरियै अरुमरैयै⋆ ॥१२१॥
मुन्निव्वुलगुण्ड मूर्त्तियै⋆ कोवलूर्
मन्नुम् इडैगळि एम् मायवनै⋆ पेयलरप्॥१२२॥
पिन्नुम् मुलैयुण्ड पिळ्ळैयै⋆ अळ्ळल्वाय्
अन्नम् इरै तेर् अळुन्दूर् एळुम् शुडरै⋆ ॥१२३॥
‡तॆन् तिल्लै च्चित्तिरगूडत्तॆन् शॆल्वनै⋆
मिन्नि मळै तवळुम् वेङ्गडत्तॆम् वित्तगनै⋆ ॥१२४॥
मन्ननै मालिरुञ्जोलै मणाळनै⋆
कॊन्नविलुम् आळि प्पडैयानै⋆ कोट्टियूर्॥१२५॥
अन्नवुरुविन् अरियै⋆ तिरुमॆय्यत्तु
इन्नमुद वॆळ्ळत्तै इन्दळूर् अन्दणनै⋆ ॥१२६॥
मन्नुम् मदिक्कच्चि वेळुक्कै आळरियै⋆
मन्निय पाडगत्तॆम् मैन्दनै⋆ वॆग्काविल्॥१२७॥
उन्निय योगत्तुरक्कत्तै⋆ ऊरगत्तुळ्
अन्नवनै अट्ट पुयगरत्तॆम् आनेट्रै⋆ ॥१२८॥
एन्नै मनङ्गवरन्द ईशनै⊕ वानवर् तम्
मुन्नवनै मूळिक्कळत्तु विळक्किनै⋆ ॥१२९॥
अन्नवनै आदनूर् आण्डळक्कुम् ऐयनै⋆
नॆन्नलै इन्रिनै नाळैयै⋆ नीर्मलैमेल्॥१३०॥
मन्नुम् मरै नान्गुम् आनानै⋆ पुल्लाणि
त्तॆन्नन् तमिळै वडमॊळियै⋆ नाङ्गूरिल्॥१३१॥
मन्नुम् मणिमाड क्कोयिल् मणाळनै⋆
नन्नीर् त्तलैच्चङ्ग नाण्मदियै⋆ नान् वणङ्गुम्॥१३२॥

कण्णनै क्कण्णबुरत्तानै⋆ तॆन्नरैयूर्
मन्नुम् मणिमाड क्कोयिल् मणाळनै⋆ ॥१३३॥
कन्नविल् तोळ् काळैयै क्कण्डाङ्गु क्कै तॊळुदु⋆
एन्निलैमै एल्लाम् अऱिवित्ताल् एम्बॆरुमान्⋆ ॥१३४॥
तन्नरुळुम् आगमुम् तारानेल्⋆ तन्नै नान्
मिन्निडैयार् शेरियिलुम् वेदियर्गळ् वाळ्विडत्तुम्⋆ ॥१३५॥
तन्नडियार् मुन्बुम् तरणि मुळुदाळुम्⋆
कॊन्नविलुम् वेल् वेन्दर् कूट्टत्तुम् नाट्टगत्तुम्⋆ ॥१३६॥
तन्निलैमै एल्लाम् अऱिविप्पन्⋆ तान् मुन नाळ्
मिन्निडै आय्च्चियर् तम् शेरि क्कळविन्गण्⋆ ॥१३७॥
तुन्नु पडल् तिऱन्दु पुक्कु⊕ तयिर् वॆण्णॆय्
तन् वयिऱार विळुङ्ग⋆ कॊळुङ्गयल् कण्॥१३८॥
मन्नुम् मडवोर्गळ् पऱ्ऱियोर् वान् कयिऱ्ऱाल्⋆
पिन्नुम् उरलोडु कट्टुण्ड पॆऱ्ऱिमैयुम्⋆ ॥१३९॥
अन्नदोर् बूतमाय् आयर् विळविन् कण्⋆
तुन्नु शगडत्ताल् पुक्क पॆरुञ्जोऱ्ऱै⋆ ॥१४०॥
मुन्निरुन्दु मुऱ्ऱत्तान् तुऱ्ऱिय तॆऱ्ऱॆनवुम्⋆
मन्नर् पॆरुञ्जवैयुळ् वाळ् वेन्दर् दूतनाय्⋆ ॥१४१॥
तन्नै इगळ्न्दुरैप्प त्तान् मुन नाळ् शॆन्ऱदुवुम्⋆
मन्नु परैकरङ्ग मङ्गैयर् तम् कण्गळिप्प⋆ ॥१४२॥
कॊन्नविलुम् कूत्तनाय् प्पेरत्तुम् कुडम् आडि⋆
एन्निवन् एन्न प्पडुगिन्ऱ ईडऱवुम्⋆ ॥१४३॥
तॆन्निलङ्गै आट्टि अरक्कर् कुल प्पावै⋆
मन्नन् इरावणन् तन् नल् तङ्गै⊕ वाळ् एयिऱ्ऱुत्॥१४४॥
तुन्नु शुडु शिनत्तु च्चूर्पणका शोर्वॆय्दि⋆
पॊन्निऱङ्गॊण्डु पुलर्न्दॆळुन्द कामत्ताल्⋆ ॥१४५॥
तन्नै नयन्दाळै त्तान् मुनिन्दु मूक्करिन्दु⋆
मन्निय तिण्णॆनवुम् वाय्त्त मलै पोलुम्⋆ ॥१४६॥

तन्निगर् ऒन्ऱिल्लाद ताडगैयै⊕ ‡मामुनिक्का
तॆन्नुलगम् एऱ्ऱुवित्त तिण् तिऱलुम्⋆ मऱ्ऱिवैतान्॥१४७॥
उन्नि उलवा उलगऱिय ऊर्वन् नान्⋆
मुन्नि मुळैत्तॆळुन्दोङ्गि ऒळि परन्द⋆ ॥१४८॥
मन्निय पूम् पॆण्णै मडल्⊕

ऎन्निलैमै ऎल्लाम् अऱिवित्ताल् ऎम्बॆरुमान्⋆
    तन्नरुळुम् आगमुम् तारानेल् – पिन्नै प्पोय्
ऒण्डुऱैनीर् वेलै उलगऱिय ऊर्वन् नान्⋆
    वण्डऱै पूम् पॆण्णै मडल्⊕

मण्णिऱ्पॊडि पूशि वण्डिऱैक्कुम् पूच्चूडि⋆
    पॆण्णै मडल् पिडित्तु प्पिन्पिन्ने – अण्णल्
तिरु नऱैयूर् निन्ऱ पिरान् तेर् पोगुम् वीति⋆
    पॊरुमऱैया च्चॆल्वम् पॊलिन्दु⊕

॥ तिरुमङ्गैयाळ्वार् तिरुवडिगळे शरणं ॥